

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर, भरतपुर

(पीठासीन अधिकारी: बीना महावर, आर०ए०एस०)

अपील संख्या 60/2012

- |                                  |                 |   |
|----------------------------------|-----------------|---|
| 1. महेन्द्र आयु 24 वर्ष          | } पुत्रान प्रभू | } अकवाम जाटव निवासीयान ग्राम<br>मुखैना तहसील वैर जिला<br>भरतपुर |
| 2. कैलाश आयु 40 वर्ष             |                 |   |
| 3. जगराम आयु 21 वर्ष             |                 |   |
| 4. उदयसिंह आयु 35 वर्ष           |                 |   |
| 5. सुफेदी आयु 55 वर्ष वेवा प्रभू |                 |   |

.....अपीलान्तान

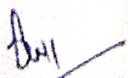
बनाम

- |  |  |
|--|--|
| 1. मुकेश आयु 38 वर्ष पुत्र ऋषिराम      | } अकवाम ब्राहमण निवासी ग्राम मुखैना<br>तहसील वैर जिला भरतपुर |
| 2. बुद्धि पाठक आयु 75 वर्ष पुत्र लीला  |  |
| 3. दयाराम आयु 50 वर्ष पुत्र धूजीराम    |  |
| 4. प्रहलाद आयु 80 वर्ष पुत्र कुन्दन    |  |
| 5. उदयराम आयु 50 वर्ष पुत्र हरिराम     |  |
| 6. रमेशचन्द आयु 65 वर्ष पुत्र हीरालाल  |  |
| 7. खिल्लूराम आयु 63 वर्ष पुत्र हीरालाल |  |

.....रेस्पोजेन्टान

अपील अन्तर्गत धारा 225 राजस्थान टीनैन्सी एक्ट विरुद्ध आदेश दिनांक 30.11.2012 तहसीलदार वैर। पत्रावली संख्या 02/2012 उनवानी महेन्द्र वगैरा बनाम मुकेश वगैरा अन्तर्गत धारा 183 बी राजस्थान टीनैन्सी एक्ट

उपस्थित :- 1. श्री अर्जुन सिंह, अभिभाषक अपी०  
2. श्री महाराज सिंह डांगुर, वकील रैस्पोजेन्ट

  
अतिरिक्त जिला कलक्टर  
भरतपुर (राज.)



महेन्द्र वगीरा बनाम मुकेश वगीरा  
अपील संख्या 80/2012

निर्णय


दिनांक : 29.01.2021

अपीलान्त ने यह अपील विरुद्ध रैस्पोंडेन्ट व खिलाफ आदेश तहसीलदार वैर दिनांक 30.11.2012 पेश की गई है। तहत न्यायालय ने अपीलाधीन आदेश राजस्थान टीनैन्सी एक्ट 1955 की धारा 183 (ख) के तहत आज्ञा दी गई है। उक्त आदेश के खिलाफ यह अपील पेश की गई है।

अपील दर्ज रजिस्टर कर रैस्पोंड एवं तहत पत्रावली तलब की गई। मूल तहत पत्रावली शामिल मिसिल है। वकील उभयपक्ष की बहस सुनी गई।

योग्य अभिभाषक अपीलान्त ने अपने तर्कों में अपील में अंकित कथनों को दाहेराते हुये जाहिर किया कि खसरा नम्बर 289 रकवा 8 विस्वा प्रार्थीगण की खातेदारी का आवंटित रकवा है। रैस्पोंड ने नाजायज कब्जा कर रख है जिसके लिये तहत न्यायालय में रैस्पोंड का नाजायज कब्जा हटाकर कब्जा दिलाने के लिये आवेदन किया था परन्तु तहसीलदार वैर ने बिना युक्तियुक्त कारण के प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया है। तहसीलदार वैर ने 183(बी) की संक्षिप्त प्रक्रिया से कार्यवाही नहीं कर कानूनी भूल की है। भू-अभिलेख निरीक्षक की रिपोर्ट में रैस्पोंड का अतिक्रमण करना बताया गया है जिस पर तहत न्यायालय ने गौर नहीं किया है। योग्य अभिभाषक अपीलान्त का यह भी कथन है कि तहत न्यायालय ने अपने निर्णय में पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों का गलत प्रकार से विवेचन किया है। मृतक अपीलान्त के वारिसान को रिकार्ड पर नहीं लिये जाने के सम्बन्ध में न्यायालय द्वारा पूर्व में ही निर्णय लिया जा चुका है। अब अपील अवेट करने का प्रश्न नहीं रहा है। वकील अपीलान्त ने अपील अपीलान्त स्वीकार की जाकर अपीलाधीन आदेश निरस्त किया जाकर अपीलान्तान को विवादित आराजी का कब्जा दिलाये जाने की प्रार्थना की है।

योग्य अभिभाषक रैस्पोंड ने अपने तर्कों में जाहिर किया है कि अपीलान्तान में से महेन्द्र सिंह फोट हो चुका है जिसके वारिसान नहीं बनाये गये है, अपील अवेट की जावे। विवादित आराजी का आवंटन अपीलान्तान को कब हुआ इसका उल्लेख अपील ने नहीं है और ना ही आवंटन पट्टा प्रस्तुत किया गया है। योग्य अभिभाषक रैस्पोंड का कहना है कि धारा 183(बी) की कार्यवाही अन्दर 12 वर्ष में दावा लाना होता है। अपीलान्तान की यह कार्यवाही

  
अतिरिक्त न्याया कलक्टर  
फाजु (ज.र.)



महेन्द्र वगैरा बनाम मुकेश वगैरा  
अपील संख्या 60/2012

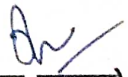
याद बाहर होने से खारिज योग्य है। धारा 183(बी) की कार्यवाही विधिवत जांच करते हुये तहसीलदार वैर ने अपीलाधीन आदेश सही पारित किया है। तहत न्यायालय ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का सही विवेचन करते हुये विधिवत प्रार्थना पत्र धारा 183(बी) खारिज करते हुये अपीलाधीन आदेश पारित किया गया है। योग्य अभिभाषक रैस्पो0 ने अपने कथनों के समर्थन में आर.आर.डी. 1992 पेज 461-465 उद्धरित किया। अपील अपीलान्ट खारिज किये जाने की प्रार्थना की गई।

हमने पत्रावली का अध्ययन किया गया। योग्य अभिभाषक उभयपक्ष के कथनों पर गौर किया। योग्य अभिभाषक अपीलान्ट द्वारा प्रस्तुत रूलिंग का अध्ययन किया गया। अपीलाधीन आदेश दिनांक 30.11.2012 एवं पत्रावली तहत पर उपलब्ध पत्रादि का अध्ययन किया गया। तहसीलदार वैर ने अपने अपीलाधीन आदेश में साक्ष्यों एवं तथ्यों का पूर्ण विवेचन करते हुये अपीलाधीन आदेश पारित किया है, जिसमें हम किसी प्रकार की त्रुटि नहीं पाते हैं। योग्य अभिभाषक अपीलान्टान ने सिवाय मौखिक कथनों के ऐसा कोई दस्तावेजी साक्ष्य हमारे समक्ष पेश नहीं किये है जिससे उनके कथनों को समर्थन मिलता हो। अस्तु अपील अपीलान्टान काबिल खारिज के रहती है।

**अतः आदेश है कि:-**

उपरोक्त विवेचनानुसार अपील अपीलान्ट खारिज की जाती है। निर्णय की प्रति के साथ तहत पत्रावली तहसीलदार वैर वापिस लौटाई जावे।

निर्णय आज दिनांक 29.01.2021 को सुनाया गया।

  
(बीना महावर)  
अतिरिक्त जिला कलक्टर  
भरतपुर (राज.)